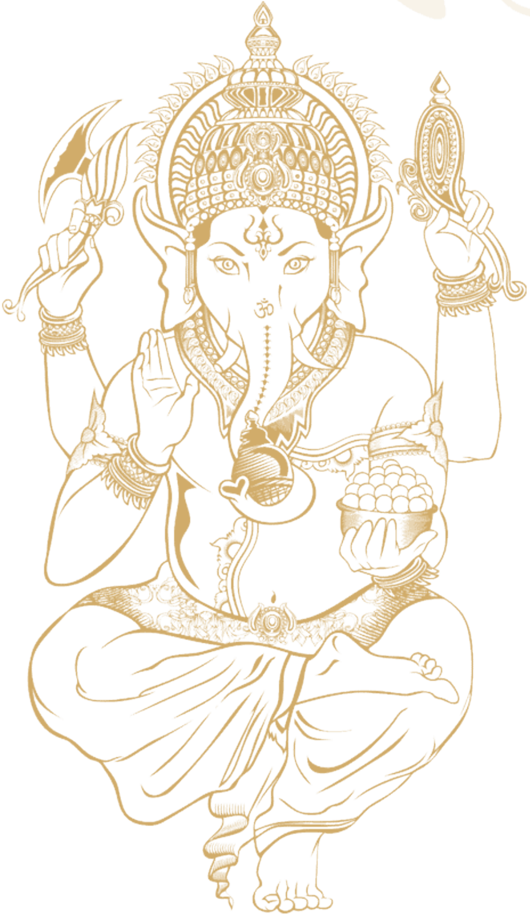

vivekanand gupta

26 Aug 1993

03:01 AM

Birat Nagar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121425506

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **25-26/08/1993**
दिन	: बुध-गुरुवार
जन्म समय	: **03:01:00 घंटे**
इष्ट	: 53:41:22 घटी
स्थान	: **Birat Nagar**
देश	: Nepal

अक्षांश	: 26:29:00 उत्तर
रेखांश	: 87:17:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 86:15:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: 00:04:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 03:05:08 घंटे
वेलान्तर	: -00:02:08 घंटे
साम्पातिक काल	: 01:21:41 घंटे
सूर्योदय	: 05:32:27 घंटे
सूर्यास्त	: 18:23:00 घंटे
दिनमान	: 12:50:34 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: शरद
सूर्य के अंश	: 08:53:47 सिंह
लग्न के अंश	: 05:10:38 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	: **वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	: **ज्येष्ठा - 4**
नक्षत्र स्वामी	: बुध
योग	: विष्कुम्भ
करण	: तैतिल
गण	: राक्षस
योनि	: मृग
नाड़ी	: आद्य
वर्ण	: विप्र
वश्य	: कीटक
वर्ग	: मृग
युँजा	: अन्त्य
हंसक	: जल
जन्म नामाक्षर	: यू-युवराज
पाया(राशि-नक्षत्र)	: रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	05:10:38	310:31:25	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	---
सूर्य			सिंह	08:53:47	00:57:54	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मूलत्रिकोण
चंद्र			वृश्चिक	27:09:02	13:08:37	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	नीच राशि
मंगल			कन्या	15:01:28	00:38:33	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
बुध		अ	सिंह	05:24:38	01:59:39	मघा	2	10	सूर्य	केतु	मंगल	मित्र राशि
गुरु			कन्या	20:12:17	00:11:11	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	केतु	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	04:07:36	01:11:02	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	शत्रु राशि
शनि	व		कुंभ	02:44:12	00:04:29	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चिक	14:37:24	00:00:47	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	14:37:24	00:00:47	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	सम राशि
हर्ष	व		धनु	24:52:54	00:01:30	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
नेप	व		धनु	24:55:39	00:01:03	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
प्लूटो			तुला	29:05:53	00:00:47	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	---
दशम भाव			मीन	28:19:12	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:23

लग्न-चलित

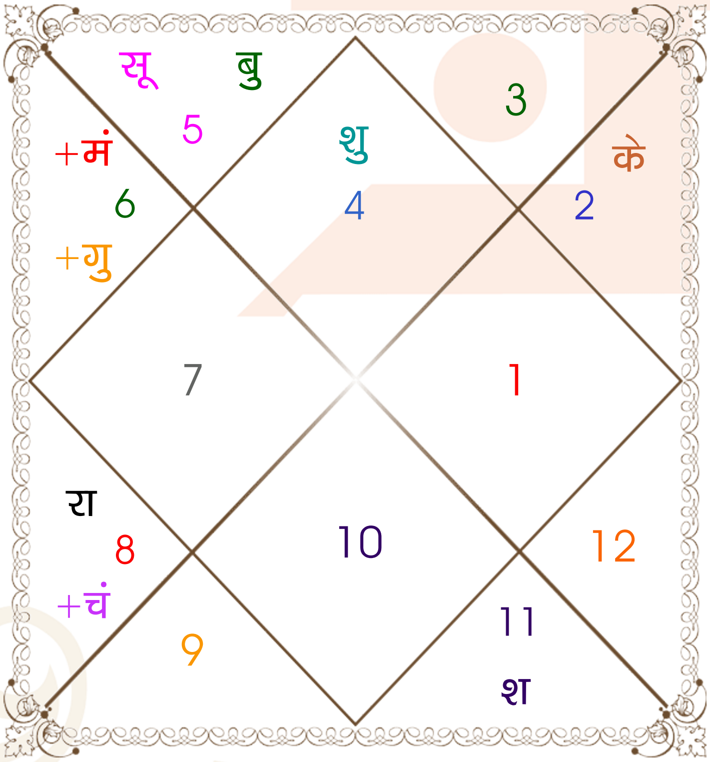

चन्द्र कुंडली

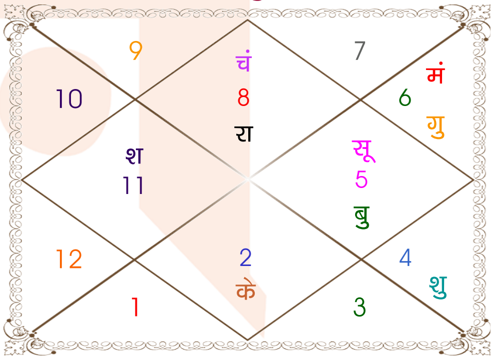

नवमांश कुंडली

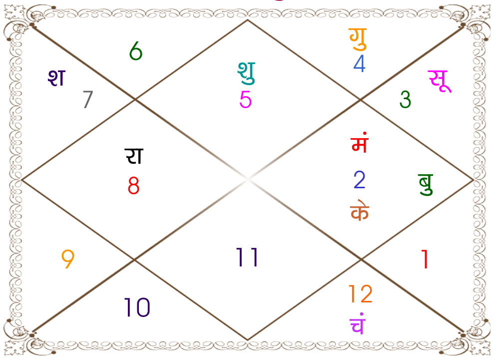

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 3 वर्ष 7 मास 18 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
26/08/1993		14/04/1997		13/04/2004		13/04/2024		14/04/2030	
14/04/1997		13/04/2004		13/04/2024		14/04/2030		13/04/2040	
	00/00/0000	केतु	10/09/1997	शुक्र	14/08/2007	सूर्य	01/08/2024	चंद्र	12/02/2031
	00/00/0000	शुक्र	10/11/1998	सूर्य	13/08/2008	चंद्र	31/01/2025	मंगल	13/09/2031
	00/00/0000	सूर्य	18/03/1999	चंद्र	14/04/2010	मंगल	07/06/2025	राहु	14/03/2033
	00/00/0000	चंद्र	17/10/1999	मंगल	14/06/2011	राहु	02/05/2026	गुरु	14/07/2034
	00/00/0000	मंगल	14/03/2000	राहु	14/06/2014	गुरु	18/02/2027	शनि	12/02/2036
	00/00/0000	राहु	01/04/2001	गुरु	12/02/2017	शनि	31/01/2028	बुध	14/07/2037
	26/08/1993	गुरु	08/03/2002	शनि	13/04/2020	बुध	07/12/2028	केतु	12/02/2038
गुरु	04/08/1994	शनि	17/04/2003	बुध	12/02/2023	केतु	14/04/2029	शुक्र	14/10/2039
शनि	14/04/1997	बुध	13/04/2004	केतु	13/04/2024	शुक्र	14/04/2030	सूर्य	13/04/2040

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
13/04/2040		14/04/2047		14/04/2065		14/04/2081		14/04/2100	
14/04/2047		14/04/2065		14/04/2081		14/04/2100		00/00/0000	
मंगल	10/09/2040	राहु	25/12/2049	गुरु	02/06/2067	शनि	16/04/2084	बुध	11/09/2102
राहु	28/09/2041	गुरु	20/05/2052	शनि	13/12/2069	बुध	26/12/2086	केतु	08/09/2103
गुरु	04/09/2042	शनि	27/03/2055	बुध	20/03/2072	केतु	03/02/2088	शुक्र	09/07/2106
शनि	14/10/2043	बुध	13/10/2057	केतु	24/02/2073	शुक्र	05/04/2091	सूर्य	16/05/2107
बुध	10/10/2044	केतु	01/11/2058	शुक्र	26/10/2075	सूर्य	17/03/2092	चंद्र	14/10/2108
केतु	08/03/2045	शुक्र	31/10/2061	सूर्य	13/08/2076	चंद्र	16/10/2093	मंगल	11/10/2109
शुक्र	08/05/2046	सूर्य	25/09/2062	चंद्र	13/12/2077	मंगल	25/11/2094	राहु	30/04/2112
सूर्य	13/09/2046	चंद्र	26/03/2064	मंगल	19/11/2078	राहु	01/10/2097	गुरु	27/08/2113
चंद्र	14/04/2047	मंगल	14/04/2065	राहु	14/04/2081	गुरु	14/04/2100		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 3 वर्ष 7 मा 30 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं कर्क राशि का ही द्रेष्काण उदित था। जिससे यह संकेत मिलता है कि आप संतुलित ढंग से स्वस्थ्य रहकर, आनन्ददायक सुव्यवस्थित एवं उत्तम पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप विद्वान एवं सामाजिक प्रभाव से आदरणीय समझे जाएंगे। आप सुखद एवं मधुरतम जलीय यात्रा करेंगे। आप के जीवन के 36 वें वर्ष से सुन्दर और भाग्यशाली मार्ग प्रशस्त होंगे।

आपमें यह गुण विद्यमान है कि आप अपनी आवश्यकताओं को नियंत्रित रख कर उपयोगिता को पसन्द करते हो। आप विश्वासपूर्ण भावनाओं से विभिन्न प्रकार से अन्य लोगों की सहायता करोगे। आप धर्मशास्त्र एवं दर्शनशास्त्र का अध्ययन करोंगे तथा भगवान के प्रति समर्पित आस्थावान होंगे। आपको धर्मस्थलों/धार्मिक तीर्थों का भ्रमण करने का सौभाग्य प्राप्त होगा एवं परोपकारी सेवक बन कर सामाजिक कार्य करेंगे। आप दुर्भावनाओं को त्यागकर, धन संचय करने की महत्त्वकांक्षा से प्रेरित रहेंगे। यह संभव है कि आप सभी प्रकार से परिवारिक सदस्यों की सुख सुविधा की व्यवस्था करेंगे।

आप शारीरिक रूप से लम्बे, उन्नत ललाट एवं सुस्पष्ट आँखों से युक्त होंगे। आपकी मनोवृत्ति क्षमतानुसार एवं अवस्थानुसार अग्रसर होगी। आप उन्नति के लिए एक कड़ी के साथ-साथ दूसरी कड़ी भी प्रारम्भ कर सकते हैं।

आपमें ऐसा गुण एवं सामंजस्य विद्यमान है कि आप जन-सामान्य की भावना को तथा परिस्थितियों को विधिवत समझ कर उचित सामंजस्य कर देते हो। परन्तु आप बहुत अधीर हो जाते हो। परिणाम स्वरूप आपका स्वभाव विकृत होकर, हानिप्रद प्रमाणित हो जाता है। यह आवेग क्षणिक है, तथापि शीघ्रतापूर्वक शान्त होकर तेजी से समान्य मनोवृत्ति ग्रहण कर लेते हैं।

आप धनोपार्जन हेतु कुछ विभिन्न प्रकार की पद्धति एवं उपायों का अनुसरण कर लेते हैं। यह सुनिश्चित है कि सतत आप में अन्तर्वाही चतुरता विद्यमान रहेगी।

आपको अपने रोमांचित जीवन के प्रति सचेत रहना चाहिए। आप पूर्णरूपेण उदासीन भाव से अपनी पत्नी से सम्बंधित रहेंगे। बल्कि आप उदासीन रहकर अपना पारिवारिक जीवन बिताएंगे।

आप अपना विवाह सुयोग्य गृहणी के साथ करने की प्राथमिकता देंगे ताकि अच्छे सन्तान का उद्भव हो सके। लेकिन आपके लिए उत्तम तो यह है कि अपनी दिनचर्या स्पष्ट रखें तथा अपना घरेलू जीवन, जीवन संगीनी के लिए आलोचनात्मक न बन सके।

कर्क राशीय प्रवृति के अनुसार आपके स्वभानुकूल वह प्राणी होगा जिसका जन्म मीन अथवा वृश्चिक लग्न राशि में हुआ हो। आपके किशोरावस्था के लिए रोजगार, व्यवसाय अथवा अनुकूल पेशा-वृति नौसेना, सामुदायिक व्यवस्था आयात-निर्यात सिचाई एवं कृषि कार्य उत्तम रहेगा।

संभवतः आपका स्वास्थ्य एवं जीवन अक्षुण नही रहेगा। परन्तु अवस्था की वृद्धि के अनुसार समस्याएँ सुधर कर उत्तम हो जाएगी। आप सदैव ही चिन्तित एवं कुतुहलयुक्त (घबराहट) रहेंगी। अतः आप इन प्रवृतियों को त्याग कर शान्तिपूर्वक रहे और खान-पान पर नियंत्रण रक्खें। मद्यपान का सर्वथा त्याग करे।

आपको कतिपय रोग जैसे गैसस्टिक, अलसर खाँसी सम्बंधी गड़बड़ी एवं गठिया सन्धिबात रोगादि से रक्षित रहना चाहिए।

आपके लिए रंग पीला, लाल, एवं सफेद रंग अनुकूल है। यह समझ लें कि रंग हरा एवं ब्लू रंग आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 3 एवं 5 अंक आपकी उपयोगिता के प्रतिकूल है। अस्तु इनका त्याग करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।